प्रेस-विज्ञप्ति 06.03.2022

दिनांक **06 मार्च, 2022** को प्रातः **11:30 बजे से अपरान्ह 12:30** बजे तक मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की हेल्थ एंड लाइफ स्टाइल कमेटी द्वारा "वर्क लाइफ बैलेंस - लाइफ बियॉन्ड वर्क" पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। आयोजित किये गए संवादात्मक सत्र के **मुख्य-वक्ता डॉ. अवध दुबे,** कानपुर के प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ**,** प्रेरक वक्ता एवं चेम्बर के सदस्य**,** थे।

मर्चेंट्स चेम्बर के अध्यक्ष श्री अतुल कनोडिया ने मुख्य-वक्ता डॉ. अवध दुबे का स्वागत किया। श्री कनोडिया ने इस अवसर पर मर्चेंट्स चैम्बर की स्थापना वर्ष 1932 से लेकर वर्तमान तक की यात्रा का वर्णन किया ओर कहा कि डॉ दुबे से हम सब लोग अवश्य ही सकारात्मक बिंदुओं को सीखकर अपने जीवन में ढालने का प्रयास करेंगे।

डॉ. अतुल कपूर ने मुख्य-वक्ता डॉ. अवध दुबे का परिचय दिया।

डॉ. अवध दुबे जी ने *वसुधैव कुटुंबकम, कार्य के प्रभाव से स्वास्थ्य के डगमगाने* और *रिश्तों में बढ़ती* दूरियों पर चर्चा की। उन्होंने teamwork और leadership quality पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा जीवन एक सुनहरे सफर से शुरू होता है तो यह जिम्मेदारी हमारी ही है कि आगे के रास्ते पर भी हम एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो सके। जीवन में तनाव की कमीं नहीं है जैसे व्यक्तिगत जीवन का तनाव, कभी कोरोना का तनाव तो कभी दुनिया में चल रहे युद्ध का तनाव। हमारी संस्कृति एवं प्रकृति ने हमें जीवन दिया जिसमें हमारी lifestyle हावी हो गई और हमें lifestyle disease ने घेर लिया। इस तनाव और व्यस्त जीवन शैली में हम बहुत कुछ खोते जा रहे हैं, जिसका अनुमान होने में बहुत देर हो गई है पर अभी भी समय है, समय और ऊर्जा के संयुक्त और सकारात्मक प्रयास से इसे ठीक किया जा सकता है। अब जीवन में विकल्प नही बल्कि संकल्प की बारी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से डॉ. दुबे ने समाज के हर परिवार को एक नई दिशा प्रदान करने की कोशिश की। वो इस समाज में एक नई ऊर्जा का प्रवाह की कामना की। उन्होंने समाज से ये अपील की कि कार्य के तनाव से बाहर आकर परिवार समाज में संतुलन बनाए रखते हुए **"खुश रहिये और खुशियाँ बाँटिये"**। डॉ दुबे ने "**यथा पिण्डे तथा ब्रह्माण्डे**" के वाक्य को समझाया।

मंच का संचालन महेंद्र नाथ मोदी, सचिव-मर्चेंट्स चैम्बर ने किया एवं धन्यवाद-प्रस्ताव डॉ. जे.एन. गुप्ता ने दिया ने दिया। ।

कार्यक्रम में डॉ. आई.एम. रोहतगी, श्री बी.के. लाहोटी, श्री विजय पांडेय, श्री अनिल अग्रवाल, श्री योगेश अग्रवाल, श्री अविनाश चौबे, श्री गुलशन धूपर, श्री प्रेम मनोहर गुप्ता, श्री संतोष कुमार गुप्ता, उमेश पाण्डे, मानसी लोहिया, साक्षी भरतीया, गौर हरि सिंघानिया इंस्टीटूट के विद्यार्थी, शिक्षकगण,, विभिन्न क्षेत्रों (शिक्षा जगत, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, शेयर मार्केट, अधिवक्तागण, शिक्षाविद आदि) से जुड़े विशेषज्ञ, उद्यमीगण आदि उपस्थित थे।